14वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस 2024 पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया जी का अभिभाषण

दिनांक : 25 जनवरी 2024, गुरुवार	**समय : 10.30 AM**	**स्थान : आईटीए सेंटर, माछखोवा**

नमस्ते!

आज का दिन हमारे देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण दिन है। आज 14वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस है। इस अवसर पर आप सभी को संबोधित करते हुए मुझे अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है।

आज का दिन इसलिए विशेष है, क्योंकि भारतीय संविधान लागू होने के एक दिन पहले यानी 25 जनवरी 1950 को भारतीय निर्वाचन आयोग की स्थापना की गई थी। हमारे संविधान के निर्माताओं ने देश में चुनावों के आयोजन और निगरानी के लिए इस संगठन की स्थापनी की थी। यह भारतीय लोकतंत्र के लिए असाधारण उपलब्धियों वाला दिन था।

मतदाता लोकतंत्र की रीढ़ होते हैं। किसी भी चुनाव के लिए मतदाता की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। यही कारण है कि भारतीय चुनाव आयोग ने अपना स्थापना दिवस मतदाताओं को समर्पित किया। वर्ष 2011 से हर वर्ष 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के रूप में मनाया जाता है।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य देश भर के लोगों को वो डालने के अधिकार के प्रति जागरूक करना है। वास्तव में यह भारत के नागरिकों के लिए सबसे बड़ा उपहार है। यह अपने देश का सौभाग्य है कि हमारे संविधान निर्माताओं ने देश के नागरिकों को यह अधिकार दिया और उन्हें वे अपने मताधिकार का प्रयोग कर सरकार का चयन करने की शक्ति प्रदान की।

मुझे बताया गया है कि चुनाव आयोग हर साल एक अनूठी थीम के साथ राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाता है। इस वर्ष की थीम है "वो जैसा कुछ नहीं, वो जरूर डालूंगा मैं"। यह विषय देश के योग्य मतदाताओं के लिए एक संदेश है कि वे देश की प्रगति, समृद्धि और विकास के लिए आगे आएं और चुनावों का हिस्सा बनकर अपने मताधिकार का उपयोग करें।

देवियों और सज्जनों,

मतदान प्रत्येक भारतीय नागरिक का बुनियादी लोकतांत्रिक अधिकार है। यह देश के हर नागरिक का दायित्व भी है कि चुनावों में शत-प्रतिशत मतदान हो। इसके लिए युवा मतदाताओं के नामों का नामांकन आवश्यक है।

हमारे युवा भी भारत की लोकतांत्रिक राजनीति का एक बड़ा हिस्सा हैं। आज के युवा और परिप्रेक्ष्य मतदाता अधिक ऊर्जावान और रचनात्मक हैं और भारतीय राजनीति में उनकी भागीदारी का बहुत महत्व है। इसी दृष्ीकोण से 2011 में राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाने की परम्परा की शुरुआत की गई थी।

देवियों और सज्जनों,

हमें गर्व है कि हमारा भारत विश्व का सबसे बड़ा और सक्रिय लोकतंत्रिक देश है। हमारा देश लोकतंत्र की बुनियाद पर ि का हुआ है। इस बुनियाद को मजबूत बनाए रखने में भारतीय चुनाव आयोग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत आयोग को मतदाता सूची तैयार करने का प्रबंधन, निर्देशन और नियंत्रण करने के साथ-साथ संसद, प्रत्येक राज्य की विधानसभा तथा राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के पद के लिए चुनाव कराने का अधिकार प्रदान किया गया। इसलिए इसका दायित्व बहुत बड़ा है। इसके कुशल कामकाज से ही देश के लोकतंत्र की गुणवत्ता पर विलक्षण प्रभाव पड़ता है।

मुझे खुशी है कि आयोग ने इस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभा रहा है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से चुनावों कराना एक कठिन कार्य है, लेकिन भारतीय चुनाव आयोग इसे सफलतापूर्वक पूरा कर रहा है। भारत का चुनाव आयोग इस देश के नागरिकों को एक ऐसी प्रणाली प्रदान करने के लिए हमारी प्रशंसा का पात्र है। लोकतंत्र को बढ़ावा देने में इसकी भूमिका इतनी कुशल है कि इसने एक अनुकरणीय नमूने के तौर पर विश्व पहचान बनाई है। मैं इस सराहनीय उपलब्धि के लिए चुनाव आयोग को बधाई देता हूं।

निर्वाचन प्रक्रिया में लोगों की उत्साहपूर्ण भागीदारी एक स्वस्थ लोकतंत्र की कुंजी है। मतदाताओं की किसी भी लोकतांत्रिक चुनाव में केन्द्रीय भूमिका रहती है। इसलिए निर्वाचन आयोग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय मतदाता दिवस प्रत्येक योग्य नागरिक को मतदाता सूची में शामिल करने के निरंतर प्रयास का एक हिस्सा है।

भारतीय चुनाव आयोग ने मतदाताओं को प्रोत्साहित करने के लिए चुनावी साहित्यिक क्लबों, चुनाव पाठशालाओं की स्थापना की है। इसके अलावा लगभग हर स्कूलों और कॉलेजों में कैंपस एंबेसडर को नामांकित किया है, जो कि प्रशंसनीय कदम है।

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि भारतीय चुनाव आयोग ने मतदाता सूची की प्रक्रिया को सरल और सुविधाजनक तथा मतदान के अनुभव को जनसहायक बनाने की पहल की हैं।

मुझे यह जानकर खुशी हुई कि चुनाव आयोग ने मतदाताओं की बेहतर भागीदारी के लिए **"स्वीप"** (SVEEP), यानी (Systematic Voter's Election Education and Partcipation) तैयार की है। इसके तहत न केवल राज्य स्तर पर, बल्कि जिला स्तर पर चुनाव प्रक्रिया के सभी पहलुओं पर मतदाताओं को शिक्षित और जागरूक किया जा रहा है।

यह प्रशंसनीय है कि नागरिक समाज संगठन, कॉरपोरे क्षेत्र, शिक्षा संस्थाएं, मीडिया इत्यादि इस साझे लक्ष्य में निर्वाचन आयोग के साथ शामिल हो गए हैं।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि चुनाव आयोग के इन निरंतर प्रयासों से हम एक दिन चुनाव में 100% मतदाताओं की भागीदारी हासिल कर लेंगे।

मतदाता सूची चुनावी प्रक्रिया का मूल आधार है। इस अवसर पर मैं क्षेत्रीय स्तर के उन सभी पदाधिकारियों का धन्यवाद देना चाहूंगा, जो अपने कठिन परिश्रम से मतदाता सूची तैयार करते हैं। मैं मुख्य निर्वाचन अधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी, निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी, बूथ स्तर के अधिकारी और मतदान की प्रक्रिया में अपना योगदान देने वाले सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी धन्यवाद देता हूं। वास्तव में बूथ स्तर के अधिकारी मतदाता सूची को शुद्ध बनाने एवं बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

14वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के इस शुभ अवसर पर, मैं राज्य और देश की पूरी चुनाव मशीनरी के समर्पण और कड़ी मेहनत को स्वीकार करता हूं और यहां उपस्थित सभी लोगों से आगामी चुनावों में वो देने के अपने अधिकार का प्रयोग करके लोकतंत्र की परम्परा को कायम रखने की अपील करता हूं।

मैं विशेषकर सभी युवाओं से भी चुनाव में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील करता हूं। मैं भावी मतदाताओं से भी आग्रह करता हूं कि वे चुनावों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करने के लिए आवेदन करें।

अंत में मैं यहां उपस्थित सभी लोगों को और विशेष रूप से भारतीय चुनाव आयोग को उसकी सभी उपलब्धियों के लिए बधाई देता हूं तथा भविष्य के उनके कार्यों के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

धन्यवाद।

जय हिन्द।